

पंचम माला, खंड 48, अंक 1, सोमवार, 17 फरवरी, 1975/28 माघ, 1896 (शक)

Fifth Series, Vol. XLVIII, No. 1, Monday, February 17, 19 5/
Magha 28, 1896 (Saka)

लोक-सभा वाद-विवाद
का
संक्षिप्त अनूदित संस्करण

SUMMARISED TRANSLATED VERSION
OF
LOK SABHA DEBATES

[तेहरवां सत्र
Thirteenth Session]

5th Lok Sabha



[खंड 48, म अंक 1 से 10 तक हैं,
Vol. XLVIII contains Nos. 1 to 10]

लोक-सभा सचिवालय
नई दिल्ली

LOK SABHA SECRETARIAT
NEW DELHI

मूल्य : दो रुपये

Price : Two Rupees

यह लोक सभा वाद-विवाद का संक्षिप्त अनूदित संस्करण है और इसमें अंग्रेजी हिन्दी में दिये गये भाषणों आदि का हिन्दी/अंग्रेजी में अनुवाद है ।

This is translated version in a summary form of Lok Sabha debates and contains Hindi/English translation of speeches etc. in English/Hindi.

अंक 1, सोमवार, 17 फरवरी, 1975/28 माघ, 1896 (शक)

No. 1, Monday, February 17, 1975/Magha 28, 1896 (Saka)

विषय	Subject	Page
सदस्यों की वर्णानुक्रम सूची	Alphabetical List of Members	(v—xiv)
सभा के अधिकारी	Officers of the House	(xv—xvi)
मन्त्री मण्डल के सदस्यों, तथा राज्य मन्त्रियों तथा उप-मन्त्रियों की सूची	List of Members of the Cabinet, Ministers of State and Deputy Ministers	(xvii—xix)
राष्ट्रपति का अभिभाषण-सभा पटल पर रखा गया	President's Address	(1—14)
निधन सम्बन्धी लेख	Obituar Reference	(15—18)

सदस्यों की वर्णानुक्रम सूची

पंचम लोक सभा

अ

अकिनीडू, श्री मगन्ती (गुडिवाडा)
अग्रवाल, श्री वीरेन्द्र (मुरादाबाद)
अग्रवाल, श्री कृष्ण (महासमुन्द)
अचल सिंह, श्री (आगरा)
अजीज इमाम, श्री (मिर्जापुर)
अंसारी, श्री जियाउर्रहमान (उन्नाव)
अप्पालानायडु, श्री (अनकपल्ली)
अम्बेश, श्री (फिरोजाबाद)
अरविन्द नेताम, श्री (कांकेर)
अलगेशन, श्री ओ० वी० (तिरुत्तनी)
अवधेश चन्द्र सिंह, श्री (फर्रुखाबाद)
अहिरवार, श्री नाथूराम (टीकमगढ़)

आ

आगा, श्री सैयद अहमद (बारामूला)
आजाद, श्री भागवत झा (भागलपुर)
आनन्द सिंह, श्री (गोंडा)
आस्टिन, डा० हेनरी (एरणाकुलम)

इ

इसहाक, श्री ए० के० एम० (बसिरहाट)

उ

उइक, श्री मंगरू (मंडाला)
उन्नीकृष्णन, श्री के० पी० (बडागरा)
उरांव, श्री कार्तिक (लोहारडंगा)
उरांव, श्री टुना (जलपाईगुड़ी)
उलगननी, श्री आर० पी० (वैल्लौर)

ए

एन्थनी, श्री फ्रैंक (नाम निर्देशित आंग्ल भारतीय)
एंगती, श्री बीरेन (दीफू)

क

ककोटी, श्री रोबिन (डिब्रुगढ़)
कछवाय, श्री हुकम चन्द (मुरैना)
कटकी, श्री लीलाघर (नवगांव)
कडनापल्ली, श्री रामचन्द्रन (कासरगोड)
कतामुत्तु, श्री एम० (नागापट्टिनम)
कदम, श्री जे० जी० (वर्धा)
कदम, श्री दत्ताजीराव (हतकंगले)
कपूर, श्री सतपाल (पटियाला)
कमला कुमारी कुमारी (पालामऊ)
कमला प्रसाद, श्री (तेजपुर)
कर्ण सिंह, डॉ० (ऊधमपुर)
कर्णी सिंह, डा० (बीकानेर)
कल्याणसुन्दरम, श्री एम० (तिरुचिरापल्ली)
कलिगारायार, श्री मोहनराज (पोलाची)
कस्तुरे, श्री ए० एम० (खामगांव)
कादर, श्री एस० ए० (बम्बई मध्य दक्षिण)
कांबले, श्री एन० एस० (पंढरपुर)
कांबले, श्री टी० डी० (लातुर)
काकोडकर, श्री पुरुषोत्तम (पंजिम)
कामराज, श्री के० (नागरकोइल)
कामाक्षैया, श्री डी० (नेल्लोर)
काले, श्री (जालना)
कावडे, श्री वी० आर० (नासिक)

काहनडोल, श्री (मालेगांव)
 किन्दर लाल, श्री (हरदोई)
 किरुतिनन, श्री था (शिवगंज)
 किस्कु, श्री ए० के० (झाड़ग्राम)
 कुरील, श्री बैजनाथ (रामसनहीघाट)
 कुरेशी, श्री मुहम्मद शफी (अनन्तनाग)
 कलकर्णी, श्री राजा (बम्बई उत्तर पूर्व)
 कुशोक, बाकुला, श्री (लदाख)
 कदार नाथ सिंह, श्री (सुल्तानपुर)
 कैलास, डा० (बम्बई दक्षिण)
 केवीचुसा, श्री ए० (नागालैण्ड)
 कोत्ताशट्टी, श्री ए० के० (बेलगांव)
 कोया, श्री सी० एच० मोहम्मद (मंजेरी)
 कौल, श्रीमती शीला (लखनऊ)
 कृष्णन्, श्री ई० आर० (सलेम)
 कृष्णन्, श्री एम० के० (पोन्नाणि)
 कृष्णन्, श्री जी० वाई० (कौलार)
 कृष्णन्, श्रीमति पार्वति (कोयम्बूटर)
 कृष्णप्पा, श्री एम० बी० (हस्कोटे)
 कृष्णा कुमारी, श्रीमती (जोधपुर)

ख

खाडिलकर, श्री आर० के० (बारामती)

ग

गंगादेव, श्री पी० (अंगुल)
 गंगादेवी, श्रीमति (मोहनलालगंज)
 गणेश, श्री के० आर० (अन्दमान तथा निकोबार
 द्वीप समूह)
 गरचा, श्री देवन्द्र सिंह (लुधियाना)
 गावीत, श्री टी० एच० (नावदरवार)
 गांधी, श्रीमति इंदिरा (रायबरेली)
 गायकवाड़, श्री फतहसिंह राव (बड़ौदा)

गायत्री देवी, श्रीमती (जयपुर)
 गिरि, श्री एस० बी० (वारंगल)
 गिरि, श्री बी० शंकर (दमोह)
 गिल, श्री महेन्द्र सिंह (फिरोजपुर)
 गुप्त, श्री इन्द्रजीत (अलीपुर)
 गुह, श्री समर (कन्टाई)
 गेंदा सिंह, श्री (पदरौना)
 गोखले, श्री एच० आर० (बम्बई उत्तर पश्चिम)
 गोटखिन्डे, श्री अण्णासाहिब (सांगली)
 गोमोई, श्री तरुण (जोरहाट)
 गोदरा, श्री मनीराम (हिसार)
 गोपाल, श्री के० (करूर)
 गोपालन, श्री ए० के० (पालघाट)
 गोमांगो, श्री गिरिधर (कोरापुट)
 गोयेन्का, श्री आर० एन० (विदिशा)
 गोस्वामी, श्री दिनेश चन्द्र (गौहाटी)
 गोस्वामी, श्रीमती विभा घोष (नवद्वीप)
 गोहन, श्री सी० सी० (नाम निर्देशित आसाम
 का उत्तर पूर्व सीमांत क्षेत्र)
 गोडफ्रे, श्रीमति एम० (नामनिर्देशित आंग्ल
 भारतीय)

गौडर, श्री जे० माता (नीलगिरी)
 गौडा, श्री पम्पन (रायचूर)
 गौतम, श्री सी० डी० (बालाघाट)

घ

घोष, श्री पी० के० (रांची)

च

चकलेश्वर सिंह, श्री (मथुरा)
 चटर्जी, श्री सोमनाथ (बर्दवान)
 चतुर्वेदी, श्री रोहन लाल (एटा)

चन्द्र गौडा, श्री डी० बी० (चिकमगलूर)
 चन्द्रप्पन, श्री सी० के० (तेल्लीचेरी)
 चन्द्र शेखर सिंह, श्री (जहानाबाद)
 चन्द्र शेखरप्पा बीबासप्पा, श्री टी० बी० शिमोगा)
 चन्द्राकर, श्री चन्दूलाल (दुर्ग)
 चन्द्रिका प्रसाद, श्री (बलिया)
 चव्हाण, श्रीमति प्रेमलाबाई (कराड़)
 चव्हाण, श्री यशवन्तराव (सतारा)
 चावड़ा, श्री के० एस० (पाटन)
 चावला, श्री अमरनाथ (दिल्ली सदर)
 चिक्कलिंगैया, श्री के० (मांडया)
 चित्तिबाबू, श्री सी० (चिंगलपट)
 चिन्नाराजी, श्री सी० के० (तिरुपत्तूर)
 चेलाचामी, श्री ए० एम० (टेंकासी)
 चौघरी श्री अमर सिंह (मांडली)
 चौघरी, श्री ईश्वर (गया)
 चौघरी, श्री त्रिदिव (बरहमपुर)
 चौघरी, श्री नीतिराज सिंह (होशंगाबाद)
 चौघरी, श्री बी० ई० (बीजापुर)
 चौघरी, श्री मोइनूल हक (धुबरी)
 चौहान, श्री भारत सिंह (घार)

छ

छट्टन लाल, श्री (सवाई माधोपुर)
 छोटे लाल, (श्री चैल)

ज

जगजीवन राम, श्री (सासाराम)
 जदेजा, श्री डी० पी० (जामनगर)
 जनार्दनन, श्री सी० (त्रिचूर)

जमीलुर्रहमान, श्री मुहम्मद (किशनगंज)
 जयलक्ष्मी, श्रीमती बी० (शिवकाशी)
 जाफर शरीफ, श्री सी० के० (कनकपुरा)
 जार्ज, श्री ए० सी० (मुकुन्दपुरम)
 जार्ज, श्री वरके (कोट्टायम)
 जितेन्द्र प्रसाद, श्री (शाहजहांपुर)
 जुल्फिकार अली खां, श्री (रामपुर)
 जोजफ, श्री एम० एम० (पीरमाडे)
 जोरदर, श्री दिनेश (मालदा)
 जोशी, श्री जगन्नाथ राव (शाजापुर)
 जोशी, श्री पोपटलाल एम० (बनसकंठा)
 जोशी, श्रीमती सुभद्रा (चांदनीचौक)

झ

ज्ञा, श्री चिरंजीव (सहरसा)
 ज्ञा, श्री भोगेन्द्र (जयनगर)
 झारखण्डे राय, श्री (घोसी)
 झुंझुनवाला, श्री विश्वनाथ (चित्तौड़गढ़)

ट

टोम्ब्री सिंह, श्री एन० (ग्रान्तरिक मनीपूर)

ठ

ठाकुर, श्री कृष्णराव (चिमूर)
 ठाकरे, श्री एस० बी० (यवतमाल)

ड

डागा, श्री मूल चन्द (पाली)
 डौडा, श्री हीरा लाल (बांसवाड़ा)

ढ

ढिल्लों, डा० जी० एस० (तरनतारन)

त

तरोडकर, श्री बी० बी० (नान्देड़)
 तुलसीराम, श्री बी० (पेहापल्लि)
 तुलाराम, श्री (घाटमपुर)
 तिवारी, श्री डी० एन० (गोपालगंज)
 तिवारी, श्री रामगोपाल (बिलासपुर)
 तिवारी, श्री शंकर (इटावा)
 तिवारी, श्री चन्द्रभान मनी (बलरामपुर)
 तेवर, श्री पी० के० एम० (रामनाथपुरम)
 तैयब हुसैन, श्री (गुडगांव)

द

दंडपाणि, श्री सी० डी० (धारापुरम)
 दत्त, श्री वीरेन (त्रिपुरा पश्चिम)
 दंडवते प्रो० मधु (राजापुर)
 दरबारा सिंह, श्री (होशियारपुर)
 दलवीर सिंह, श्री (सिरसा)
 दलीप सिंह, श्री (बाह्य दिल्ली)
 दामाणी, श्री एस० आर० (शोलापुर)
 दास, श्री अनादि चरण (जाजपुर)
 दास, श्री धरनीधर (मंगलदायी)
 दास, श्री रेणुपद (कृष्णनगर)
 दासचौधरी, श्री बी० के० (कूच बिहार)
 दासप्पा, श्री तुलसीदास (मैसूर)
 दिनेश सिंह, श्री (प्रतापगढ़)
 दीक्षित, श्री गंगाचरण (खंडवा)
 दीक्षित, श्री जगदीश चन्द्र (सीतापुर)
 दीवीकन, श्री (कल्लाकरीची)
 दुमादा, श्री एल० के० (डहानू)
 दुबे, श्री ज्वाला प्रसाद (भंडारा)
 धुराईरासु, श्री ए० (पैरम्बलूर)

देव, श्री एस० एल० सिंह (बांकुरा)
 देव, श्री दशरथ (त्रिपुरा पूर्व)
 देव, श्री पी० के० (कालाहांडी)
 देव, श्री राज राज सिंह (बोलनगीर)
 देशमुख, श्री के० जी० (अमरावती)
 देशमुख श्री शिवाजी राव एस० (परभणि)
 देशपांडे, श्रीमती रोजा (बम्बई मध्य)
 देसाई, श्री डी० डी० (कैरा)
 देसाई, श्री मोरारजी (सूरत)
 द्विवेदी, श्री नागेश्वर (मछलीशहर)

ध

धर्मराज सिंह, श्री (शाहवाड)
 धामनकर, श्री (भिवंडी)
 धारिया, श्री मोहन (पूना)
 धूसिया, श्री अनंत प्रसाद (बस्ती)
 धोटे, श्री जांबुवंत (नागपुर)

न

नन्दा, श्री गुलजारीलाल (कैथल)
 नरेन्द्र सिंह, श्री (सतना)
 नायक, श्री बक्शी (फूलबनी)
 नायक, श्री बी० बी० (कनारा)
 नायर, श्री एन० श्रीकान्तन (क्विलोन)
 नायर, श्रीमती शकुन्तला (केसरगंज)
 नाहाटा, श्री अमृत (बाड़मेर)
 निबालकर, श्री (कोल्हापुर)
 नेगी, श्री प्रताप सिंह, (गढ़वाल)

प

पंडा, श्री डी० के० (भंजनगर)
 पंडित, श्री एस० टी० (भीर)

पजनौर, श्री अरविन्द बाल (पांडीचेरी)
 पटनायक, श्री जे० बी० (कटक)
 पटनायक, श्री बनमाली, (पुरी)
 पटेल, श्री अरविन्द एम० (राजकोट)
 पटेल, श्री एच० एम (ढडुका)
 पटेल, श्री नटवर लाल (मेहसाना)
 पटेल, कुमारी मणिबेन (साबरकंठा)
 पटेल, श्री नानूभाई एन० (वलसार)
 पटेल, श्री प्रभुदास (डाभोई)
 पटेल, श्री आर० आर० (दादर तथा नगर हवेली)
 पन्त, श्री कृष्ण चन्द्र (नैनीताल)
 परमार, श्री भालजीभाई (दोहद)
 पलोकर, श्री मानिकराव (औरंगाबाद)
 पास्वान, श्री राम भगत (रोसेरा)
 पहाड़ियां, श्री जगन्नाथ (हिंडौन)
 पांडे, श्री कृष्ण चन्द्र (खलीलाबाद)
 पांडे, श्री तारकेश्वर (सलेमपुर)
 पांडे, श्री दामोदर (हजारीबाग)
 पांडे, श्री नरसिंह नारायण (गोरखपुर)
 पांडे, श्री राम सहाय, (राजनन्द गांव)
 पांडेय, डा० लक्ष्मीनारायण (मन्दसौर)
 पांडे, श्री सरजू (गाजीपुर)
 पांडे, श्री सुधाकर (चन्दौली)
 पात्रोकाई हाथीकिप, श्री (बाह्य मनीपुर)
 पाटिल, श्री अनन्तराव (खेड़)
 पाटिल, श्री ई० बी० विखे (कोपरगांव)
 पाटिल, श्री एस० बी० (बागलकोट)
 पाटिल, श्री कृष्णराव (जलगांव)
 पाटिल, श्री टी० ए० (उस्मानाबाद)
 पाटिल, श्री सी० ए० (धूलिया)

पाणिग्रही, श्री चिन्तामणि (भुवनेश्वर)
 पाराशर, प्रो० नारायण चन्द्र (हमीरपुर)
 पारिख, श्री रसिकलाल, (सुरेन्द्र नगर)
 पार्थासारथी, श्री पी० (राजमपैट)
 पिल्ले, श्री आर० बालकृष्ण (मावेलिकरा)
 पुरती, श्री एम० एम० (सिंहभूम)
 पेजे, श्री एस० एल० (रत्नागिरी)
 भैरवली, श्री परिपूर्णानन्द (टिहरी गढ़वाल)
 प्रधान, श्री धनशाह (शहडोल)
 प्रधान, श्री के० (नौरंगपुर)
 प्रबोध चन्द्र, श्री (गुरदासपुर)

ब

बनमाली बाबू, श्री (सम्बलपुर)
 बनर्जी, श्री एस० एम० (कानपुर)
 बनर्जी, श्रीमती मुकुल (नई दिल्ली)
 बनेरा, श्री हेमेश्वर सिंह, (भीलवाड़ा)
 बड़े, श्री आर० बी० (खरगोन)
 बरूआ, श्री वेदव्रत (कालियाबोर)
 बर्मन, श्री आर० एन० (बलूरघाट)
 बसु, श्री ज्योतिर्मय (डायमंड हार्बर)
 बसुमतारी, श्री डी० (कोकराझार)
 बाजपेयी, श्री विद्याधर (अमेटी)
 बादल, श्री गुरदास सिंह (फाजिल्का)
 बाबूनाथ सिंह, श्री (सरगुजा)
 बारूपाल, श्री पन्नालाल (गंगानगर)
 बालकृष्णन, श्री के० (अम्बलपुजा)
 बालकृष्णैया, श्री टी० (तिरुपति)
 बासप्पा, श्री के० (चित्तदुर्ग)
 बिष्ट, श्री नरेन्द्र सिंह (अल्मोड़ा)
 बीरेन्द्र सिंह राव, श्री (महेन्द्रगढ़)

बूटा सिंह, श्री (रोपड़)
 बेरवा, श्री ओंकारलाल (कोटा)
 बेसार, श्री सत्य चरण (दुमक)
 ब्रजराज सिंह कोटा, श्री (झालावाड़)
 ब्रह्मानन्द जी, श्री स्वामी (हमीरपुर)
 ब्राह्मण, श्री रतन लाल (दार्जिलिंग)

भ

भगत, श्री एच० के० एल० (पूर्व दिल्ली)
 भगत, श्री वी० आर० (शाहबाद)
 भट्टाचार्य, श्री एस० पी० (उलुवेरिया)
 भट्टाचार्य, श्री जगदीश (घाटल)
 भट्टाचार्य, श्री दीनेन (सीरमपुर)
 भट्टाचार्य, श्री चपलेन्दु (गिरिडीह)
 भागीरथ, भंवर श्री (झाबुआ)
 भार्गव, श्री वणेश्वर नाथ (अजमेर)
 भार्गवी, तनकप्पन श्रीमती (अडूर)
 भाटिया, श्री रघुनन्दन लाल (अमृतसर)
 भीष्मराव, श्री एम० (नगरकुरनूल)
 भुवाराहन, श्री जी० (मैटूर)
 भौरा, श्री भान सिंह (भटिंडां)

म

मलिक, श्री मुस्तियार सिंह (रोहतक)
 मंडल, श्री जगदीश नारायण (गोडा)
 मुडव श्री यमुना द्रसाद (समस्तीपुर)
 मल्लिकार्जुन, श्री (मेडक)
 मदकर, श्री कमला मिश्र (कैसरिया)
 मनोहर, श्री भगतराम (जंजगीर)
 मनोहरन श्री के० (मद्रास उत्तर)
 मल्होत्रा, श्री इन्द्रजीत (जम्मू)
 महन्ती, श्री सुरेन्द्र (केन्द्रपाडा)

महाजन, श्री वाई० एस० (बुलडाना)
 महाजन, श्री विक्रम (कांगडा)
 महापात्र, श्री श्याम सुन्दर (बालासोर)
 महाराज सिंह, श्री (मैनपुरी)
 महिषी, डा० सरौजिनी (धारवाड़ उत्तर)
 मांझी, श्री भोला (जमुई)
 मांझी, श्री कुमार (क्योंझर)
 मांझी, श्री गजादर (सुन्दरगढ़)
 मारक, श्री के० (तुर)
 मारन, श्री मुरासोली (मद्रास दक्षिण)
 मार्तण्ड, सिंह श्री (रीवा)
 मालन्ना, श्री के० (मधुगिरि)
 मालवीय, श्री के० डी० (डुमरियागज)
 मायावन, श्री वी० (चिदाम्बरन)
 मायातेवर, श्री के० (डिडिगल)
 मावलंकर, श्री पी० जी० (अहमदाबाद)
 मिर्धा, श्री नाथूराम (नागौर)
 मिश्र, श्री जनेश्वर (इलाहाबाद)
 मिश्र, श्री जी० एस० (छिंदवाड़ा)
 मिश्र, श्री जगन्नाथ (मधुवनी)
 मिश्र, श्री विभूति (मोतीहारी)
 मिश्र, श्री श्यामनन्दन (बेगूसराय)
 मिश्र, श्री एस० एन० (कन्नौज)
 मुकर्जी, श्री एच० एन० (कलकत्ता उत्तर पूर्व)
 मुखर्जी, श्री सरोज (कटवा)
 मुखर्जी, श्री समर (हावड़ा)
 मूर्ति, श्री बी० एस० (अमालापुरम)
 मुत्तुस्वामी, श्री एम० (तिरुचेंगोड़)
 मुन्शी, श्री प्रिय रंजन दास (कलकत्ता दक्षिण)
 मुहगनन्तम, श्री एस० ए० (तिरुनेलवेली)
 मुरमू, श्री योगेशचन्द्र (राजमहल)

मेलकोटे, डा० जी० एस० (हैदराबाद)
 मेहता, डा० जीवराज (अमरेली)
 मेहता, श्री पी० एम० (भावनगर)
 मेहता, डा० महिपतराय (कच्छ)
 मोदक, श्री विजय (हुगली)
 मोदी, श्री पीलू (गोधरा)
 मोदी, श्री श्रीकिशन (सीकर)
 मोहन स्वरूप श्री (पीलीभीत)
 मोहम्मद इस्माइल, श्री एम० (बेरकपुर)
 मोहम्मद खुदावक्श श्री (मुर्शिदाबाद)
 मोहम्मद ताहिर, श्री (पूर्णिया)
 मोहम्मद यूसूफ, श्री (सिवान)
 मोहम्मद शरीफ, श्री (पेरियाकुलम)
 मोहसिन श्री एफ० एच० (धारवाड़ दक्षिण)
 मौर्य, श्री बी० पी० (हापुड़)

य

यादव, श्री करन सिंह (बदायूँ)
 यादव, श्री चन्द्रजीत (आजमगढ़)
 यादव, श्री डी० पी० (मुंगेर)
 यादव, श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद (कटिहार)
 यादव, श्री नागेन्द्र प्रसाद (सीतामढ़ी)
 यादव, श्री राजेन्द्र प्रसाद (मधेपुरा)
 यादव, श्री शरद (जबलपुर)
 यादव, श्री शिवशंकर प्रसाद (खगरिया)

र

रघुरामैया, श्री के० (गुन्टूर)
 रणबहादुर, सिंह श्री (सिधौ)
 रवि, श्री बयालार (चिरयिकील)
 राउत श्री, भोला (बगहा)
 राज बहादुर, श्री (भरतपुर)

राजदेवसिंह, श्री (जौनपुर)
 राजू, श्री एम० टी० (नरसापुर)
 राजू, श्री पी० बी० जी० (विशखापत्तनम)
 राठिया, श्री उमेद सिंह (रायगढ़)
 राधाकृष्णन्, श्री एस० (कुडलूर)
 रामकंवर, श्री (टोंक)
 रामजी राम, श्री (अकबरपुर)
 राम दयाल, श्री (बिजनौर)
 रामदेव सिंह, श्री (महाराजगंज)
 राम धन, श्री (लालगंज)
 राम अकाश, श्री (अम्बाला)
 राम सिंह भाई, श्री (इन्दौर)
 राम हेडाऊ, श्री (रामटेक)
 रामशेखर प्रसाद सिंह, श्री (छप्परा)
 राम सूरत प्रसाद, श्री (बांसगांव)
 रामसेवक, चौधरी (जालौन)
 राम स्वरूप, श्री (राबर्टसगंज)
 राम, श्री तुलमोहन (अरारिया)
 राय, श्री विश्वनाथ (देवरिया)
 राय, डा० सरदीश (बोलपुर)
 राय, श्रीमती माया (रायगंज)
 राय, श्रीमती सहोदराबाई (सागर)
 राव, श्रीमती बी० राधाबाई, ए० (भद्राचलम)
 राव, श्री नागेश्वर (मचिलीपट्टनम)
 राव, श्री एम० सत्यनारायण (करीमनगर)
 राव, डा० के० एल० (विजयवाड़ा)
 राव, श्री के० नारायण (बोबिली)
 राव, श्री जगन्नाथ (छत्रपुर)
 राव, श्री पट्टाभिराम (राजामुन्द्री)

राव, श्री पी० अंकिनीडु प्रसाद (अंगोल)
 राव, श्री जे० रामेश्वर (महबूबनगर)
 राव, श्री राजगोपाल (श्रीकाकुलम)
 राव, डा० बी० के० आर० वर्दराज (वेल्लारी)
 राव, श्री एम० एस० संजीवी (काकीनाडा)
 रिछारिया, डा० गोविंददास (झांसी)
 रुद्र प्रताप सिंह, श्री (बाराबंकी)
 रेड्डी, श्री वाई, ईश्वर (कड़प्पा)
 रेड्डी, श्री एम० रामगोपाल (निजामाबाद)
 रेड्डी, श्री के० रामकृष्ण (नलगोंडा)
 रेड्डी, श्री के० कोदंडा रामो (कुरुनूल)
 रेड्डी, श्री पी० गंगा (आदिलाबाद)
 रेड्डी, श्री पी० एंथनी (अनन्तपुर)
 रेड्डी श्री पी० नरसिंहा (वित्तूर)
 रेड्डी, श्री पी० बायगा (हिन्दपुर)
 रेड्डी, श्री पी० बी० (कावली)
 रेड्डी, श्री बी० एन० (निरायलगुडा)
 रेड्डी, श्री सिंदराम (गुलबर्गा)
 रोहतगी, श्रीमती सुशीला (बिल्लोर)

ल

लकप्पा, श्री के० (तुमकुर)
 लक्ष्मीकांतम्मा, श्रीमती टी० (खम्मम)
 लक्ष्मीनारायणन् श्री एम० आर० (तिडिवनम)
 लक्ष्मणन्, श्री टी० एस० (श्रीपरेम्बदूर)
 लम्बोदर, बलियार, श्री (बस्तर)
 लालजी भाई, श्री (उदयपुर)
 लास्कर, श्री निहार (करीमगंज)
 लिमये, श्री मधु (बांका)
 लतफल हक श्री (जंगीपुर)

व

वर्मा, श्री सुखदेव प्रसाद (नवादा)
 वर्मा श्री फूलचन्द (उज्जैन)
 वर्मा, श्री बाल गोविन्द (खेरी)
 वाजपेयी, श्री अटलबिहारी (ग्वालियर)
 विकल, श्री रामचन्द्र (वागपत)
 विजयपाल सिंह, श्री (मुजफ्फरनगर)
 विद्यालंकार, श्री अमरनाथ (चण्डीगढ़)
 विश्वनाथन, श्री जी० (वाण्डीवाश)
 वीरभद्र सिंह, श्री (मंडी)
 वीरय्या, श्री के० (पुदुकोटे)
 वैकटस्वामी, श्री जी० (सिद्धिपेट)
 वैकटसुब्बया, श्री पी० (नन्दयाल)
 वेकारिया, श्री (जूनागढ़)

श

शंकर देव, श्री (बीदर)
 शंकरानन्द, श्री बी० (विकोडी)
 शंकर दयाल सिंह (चतरा)
 शफकत जंग, श्री (कराना)
 शफी, श्री ए० (चांदा)
 शम्भूनाथ, श्री (सदपुर)
 शमीम, श्री एस० ए० (श्रीनगर)
 शर्मा, श्री ए० पी० (बक्सर)
 शर्मा, श्री नवलकिशोर (दौसा)
 शर्मा, श्री माधोराम (करनाल)
 शर्मा, श्री राम नारायण (धनबाद)
 शर्मा, श्री राम रत्न (बांदा)
 शर्मा, डा० शंकर दयाल (भोपाल)
 शर्मा, डा० हरि प्रसाद (अलवर)
 शशि भूषण, श्री (दक्षिण दिल्ली)

शाक्य, श्री महादीपक सिंह (कासगंज)
 शास्त्री, श्री राजाराम (बाराणसी)
 शास्त्री, श्री रामावतार (पटना)
 शास्त्री, श्री विश्वनारायण (लखीमपुर)
 शास्त्री, श्री शिवकुमार (अलीगढ़)
 शास्त्री, श्री शिवपूजन (विक्रमगंज)
 शाहनवाज खां, श्री (मेरठ)
 शिन्दे, श्री अण्णासाहिब पी० (अहमदनगर)
 शिनाय, श्री पी० आर० (उदीपी)
 शिवनाथ सिंह, श्री (झून्झनु)
 शिविप्पा, श्री एन० (हसन)
 शुक्ल, श्री वी० आर० (बहराइच)
 शुक्ल, श्री विद्याचरण (रायपुर)
 शेटी, श्री के० के० (मंगलोर)
 शेर सिंह, प्रो० (झज्जर)
 शैलानी, श्री चन्द (हाथरस)
 शिवस्वामी, श्री एम० एम० (तिरुचेंडर)

स

संकटा प्रसाद, डा० (मिसरिख)
 संतबख्श सिंह, श्री (फतेहपुर)
 सईद, श्री पी० एम० (लक्षद्वीप, मिनिकाय तथा
 अमीनदीवी द्वीपसमूह)
 सक्सेना, प्रो० एस० एल० (महाराजगंज)
 सतीशचन्द्र, श्री (वरेली)
 सत्पथी, श्री देवेन्द्र (डेंकानाल)
 सत्यानारायण, श्री बी० (पार्वतीपुरम)
 सम्भली, श्री इसहाक (अमरोहा)
 सरकार, श्री शक्ति कुमार (जयनगर)
 सांगलियाना, श्री (मिजोरम)
 सांधी, श्री नरेन्द्र कुमार (जालौर)

साठे, श्री वसन्त (अकोला)
 साधूराम, श्री (फिलौर)
 सामन्त, श्री एस० सी० (तामलुक)
 सामिनाथन, श्री ए० पी० (गोवीचे द्विपलयम)
 साल्वे, श्री नरेन्द्र कुमार (बेतूल)
 सावन्त, श्री शंकरराव (कोलाबा)
 सावित्री श्याम, श्रीमती (आंवला)
 साहा, श्री अजीत कुमार (विष्णुपुर)
 साहा, श्री गदाधर (वीरभूम)
 सिन्हा, श्री सी० एम० (मयूरभंज)
 सिन्हा, श्री धर्मवीर, (बाढ़)
 सिन्हा, श्री आर० के० (फैजाबाद)
 सिन्हा, श्री सत्यन्द नारायण (औरंगाबाद)
 सिंह, श्री डी० एन० (हाजीपुर)
 सिंह, श्री नवल किशोर (मुजफ्फरपुर)
 सिंह, श्री विश्वनाथ प्रताप (फूलपुर)
 सिद्धय्या, श्री एस० एम० (चामराजनगर)
 सिद्धेश्वर प्रसाद, प्रो० (नालन्दा)
 सिंधिया, श्री माधवराव (गुना)
 सिंधिया, श्रीमति बी० आर० (भिंड)
 सुदर्शनम, श्री एम० (नरसारावपेट)
 सुन्दर लाल, श्री (सहारनपुर)
 सुब्रह्मण्यम, श्री सी० (कृष्णगिरि)
 सुब्रावेल, श्री (मयूरम)
 सुरेन्द्रपाल सिंह, श्री (बुलन्दशहर)
 सूर्यनारायण, श्री के० (एलूरु)
 सेकैरा, श्री इराज्मुद (मारमागोआ)
 सेझियान, श्री (कुम्बकोणम)
 सेट, श्री इब्राहीम सुलेमान (काजीकोड)
 सेठी, श्री अर्जुन (भद्रक)

सेन, श्री ए० के० (कलकत्ता उत्तर पश्चिम)
 सेन, डा० रानेन (बारसाट)
 सैन, श्री रोबिन (आसनसोल)
 सैनी, श्री मुल्कीराज (देहरादून)
 सोखी, श्री स्वर्ण सिंह (जमशेदपुर)
 सोमसुन्दरम, श्री एस० डी० (थंजावूर)
 सोलंकी, श्री सोम चन्द (गांधीनगर)
 सोलंकी, श्री प्रवीण सिंह (आनन्द)
 सोहनलाल, श्री टी० (करोलबाग)
 स्टीफन, श्री सी० एम० (मुक्त्तु पुजा)
 स्वर्ण सिंह, श्री (जालंधर)
 स्वामीनाथन, श्री आर० बी० (मदुरै)

स्वामी, श्री सिद्धरामेश्वर (कोप्पल)
 स्वैल, श्री जी० जी० (स्वायत्तशासी जिले)

ह

हंसदा, श्री सुबोध (मिदनापुर)
 हनुमन्तैया, श्री के० (बंगलौर)
 हरिकिशोर सिंह, श्री (पुपरी)
 हरी सिंह, श्री (खुर्जा)
 हाजरा, श्री मनोरंजन (आरामबाग)
 हालदार, श्री माधुर्य (मथुरापुर)
 हाल्दर, श्री कृष्णचन्द, (औसग्राम)
 हाशिम श्री एम० एम० (सिकन्दराबाद)
 हुडा, श्री गुरुल (कछार)
 होरो, श्री एन० ई० (खन्टी)

लोक सभा

अध्यक्ष

डा० जी० एस० ढिल्लों

उपाध्यक्ष

श्री जी० जी० स्वैल

सभापति तालिका

श्री वसंत साठे

श्री हेनरी आस्टिन

श्री दिनेश चन्द्र गोस्वामी

श्री नवल किशोर सिंह

मौलाना इसहाक सम्भली

श्री जगन्नाथ राव जोशी

महासचिव

श्री श्याम लाल शकधर

भारत सरकार

मंत्रिमण्डल के सदस्य

प्रधान मंत्री, परमाणु ऊर्जा मंत्री, इलेक्ट्रानिक्स मंत्री, अंतरिक्ष मंत्री, योजना मंत्री, तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री	श्रीमती इन्दिरा गांधी
विदेश मंत्री	श्री यशवन्तराव चव्हाण
कृषि और सिंचाई मंत्री	श्री जगजीवन राम
रक्षा मंत्री	श्री स्वर्ण सिंह
नौवहन और परिवहन मंत्री	श्री उमाशंकर दीक्षित
विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री	श्री एच० आर० गोखले
पेट्रोलियम और रसायन मंत्री	श्री के० डी० मालवीय
उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्री	श्री टी० ए० पाई
निर्माण और आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री	श्री के० रघुरामैया
पर्यटन और नागर विमानन मंत्री	श्री राज बहादुर
गृह मंत्री	श्री के० ब्रह्मानन्द रेड्डी
संचार मंत्री	डा० शंकर दयाल शर्मा
स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्री	डा० कर्ण सिंह
वित्त मंत्री	श्री सी० सुब्रह्मण्यम
रेल मंत्री	श्री कमलापति त्रिपाठी

मंत्रालयों / विभागों के प्राभारी राज्य मंत्री

वाणिज्य मंत्री	प्रो० डी० पी० चट्टोपाध्याय
सूचना और प्रसारण मंत्री	श्री आई० के० गुजराल
पूर्ति और पुनर्वासि मंत्री	श्री आर० के० खाडिलकर
शिक्षा, समाज कल्याण तथा संस्कृति मंत्री	प्रो० नूरुल हसन
ऊर्जा मंत्री	श्री कृष्ण चन्द्र पन्त
श्रम मन्त्री	श्री रघुनाथ रेड्डी
इस्पात और खान मंत्री	श्री चन्द्रजीत यादव

राज्य मंत्री

निर्माण और आवास मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री मोहन धारिया
पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री के० आर० गणेश
उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री ए० सी० जार्ज
कृषि और सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री शाहनवाज खां
विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री	महिषी डा० सरोजिनी
उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री बी० पी० मौर्य
गृह मंत्रालय, कार्मिक और शासनिक सुधार विभाग तथा संसदीय कार्य विभाग में राज्य मंत्री	श्री ओम मेहता
रक्षा मंत्रालय (रक्षा उत्पादन) में राज्य मंत्री	श्री राम निवास मिर्धा
वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री प्रणव कुमार मुखर्जी
रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री मुहम्मद शफी कुरेशी
उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री ए० पी० शर्मा
कृषि और सिंचाई मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री अण्णा साहिब पी० शिन्दे
योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री विद्याचरण शुक्ल
पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री सुरेन्द्र पाल सिंह
नौवहन और परिवहन मंत्रालय में राज्य मंत्री	श्री एल० एम० त्रिवेदी

उप-मंत्री

उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में उप-मन्त्री	श्री जियाउर्रहमान अंसारी
विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय में उप-मन्त्री	श्री वेदव्रत बरूआ
विदेश मंत्रालय में उप-मन्त्री	श्री बिपिनपाल दास
स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय में उप-मन्त्री	श्री ए० के० एम० इसहाक
पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय में उप-मन्त्री	श्री सी० पी० माझी
गृह मंत्रालय में उप-मन्त्री	श्री एफ० एस० मोहसिन
शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय तथा संस्कृति विभाग में उप-मन्त्री	श्री अरविन्द नेताम
संचार मंत्रालय में उप-मन्त्री	श्री जगन्नाथ पहाड़िया
कृषि और सिंचाई मंत्रालय में उप-मन्त्री	श्री प्रभुदास पटेल
रक्षा मंत्रालय में उप-मन्त्री	श्री जे० बी० पटनायक
संसदीय कार्य विभाग में उप मन्त्री	श्री बी० शंकरानन्द

ऊर्जा मंत्रालय में उप-मंत्री	प्रो० सिद्धेश्वर प्रसाद
इ स्पात और खान मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री सुखदेव प्रसाद
वित्त मंत्रालय में उप-मंत्री	श्रीमती सुशीला रोहतगी
रेल मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री बूटा सिंह
निर्माण और आवास मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री दलबीर सिंह
कृषि और सिंचाई मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री केदार नाथ सिंह
वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह
सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री धर्मबीर सिंह
पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री जी० वेंकटस्वामी
श्रम मंत्रालय में उप-मंत्री	श्री बाल गोविंद वर्मा
शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय तथा संस्कृति विभाग में उप-मंत्री	श्री डी० पी० यादव

लोक-सभा वाद-विवाद (संक्षिप्त अनूदित संस्करण)
LOK SABHA DEBATES (SUMMARISED TRANSLATED VERSION)

लोक-सभा
LOK SABHA

सोमवार, 17 फरवरी, 1975/28 माघ 1896 (शक)
Monday, February 17, 1975/Magha 28, 1896 (Saka)

खंड 48, पांचवीं लोक सभा के तेरहवें सत्र का पहला दिन अंक 1

लोक सभा बारह बजकर पच्चीस मिनट पर मसवेत हुई

The Lok Sabha met at Twenty-five minutes past Twelve of the clock

अध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए ।

Mr. Speaker in the Chair

अध्यक्ष महोदय : नये सदस्य नहीं आये हैं ।

राष्ट्रपति का अभिभाषण

President's Address

महासचिव : मैं 17 फरवरी, 1975 को एक साथ मसवेत संसद की दोनों सभाओं के समक्ष दिये गये राष्ट्रपति के अभिभाषण की एक प्रति सभापटल पर रखता हूँ ।

राष्ट्रपति का अभिभाषण

President's Address

Honourable Members,

I welcome you all and summon you to another year of hard work in the service of the nation.

2. We begin the year on a confident note, having responded with determination to the unforeseen and stupendous challenges of the last four years. In the face of continuing rise in prices, the foremost concern of Government in 1974 was to impart a measure of stability to the economy. Government adopted a comprehensive strategy to control inflation and this was put into operation from July, 1974.

3. Besides increased mobilisation of resources and economies in non-Plan expenditure, money supply was restricted through an appropriate monetary policy. A vigorous drive was launched against economic offences like smuggling, hoarding and tax evasion and against spurious units indulging

malpractices in scarce materials. Consumer expenditure was restrained by limiting dividend incomes and impounding increases in wages and salaries and a part of additional dearness allowance. Public distribution was strengthened and arrangements were made for adequate import of foodgrains and essential raw materials and commodities. The annual plan for 1974-75 was reviewed and outlays on the core sectors were raised to boost production. Vigorous action was also taken to improve utilisation of capacity in power plants, rail transport, coal production, steel plants and other public sector industries.

4. This concerted action began to yield results towards the end of September, 1974. Despite an unsatisfactory kharif crop caused by poor rainfall in many States, prices began to fall and there has been a weakening of the inflationary forces. The availability of essential goods has generally improved. The general outlook for the rabi crop is good.

5. Production in public enterprises has shown a significant rise in the first nine months of this financial year. Fourteen per cent more electricity is being produced by thermal plants and improvement of thirty-four per cent in the production of power by DVC plants merits special mention. Since shortage of power still persists in a number of States, high priority is being given to the completion of power projects. About two million KW of power capacity is being added in 1974-75 and another three million in the coming year. Ten million tonnes more coal will be produced this year. Steel production is going up and public sector engineering industries are doing remarkably well. More railway wagons are being moved daily.

6. I congratulate workers, farmers and other sections of the people for the determination, courage and identity with national purpose shown by them in supporting the Government's programme of economic stabilisation.

7. Government is aware that there is no room for complacency as there are still sizable imbalances between supply and demand in several important sectors of the economy. The international economic situation is also full of uncertainties.

8. The monetary and fiscal measures and the action against economic offences will be continued with vigour. Simultaneously, Government will intensify measures to remove limitations in the infrastructure and to increase production in vital sectors. In the international sphere, we shall continue to work for the evolution of a just and viable economic order in co-operation with developing countries as well as developed countries which have shown understanding of our problems.

9. We have been hit hard by the sudden and large increase in the prices of oil, food and fertilizers. Articles of common consumption have been affected and great hardship has been caused to the people. There is a very heavy draft on foreign exchange. Even a significant increase in our export earnings—in the first eight months of 1974-75, the increase was 36 per cent is not adequate to fill the gap. Special efforts and arrangements are necessary to deal with the problems of oil-importing developing countries. Some of the

oil exporting countries have helped us in this regard. There has also been some action at the international level. But these measures fall short of the needs of the situation. The severe damage caused to the economies of developing countries has to be recognised and redressed through purposeful co-operative effort on a global scale. We shall continue to take appropriate initiatives in this direction both through bilateral negotiations and in international forums.

10. In addition to the emphasis on increased production and use of coal, we are going ahead with oil exploration on an urgent basis. The recent discoveries in the offshore Bombay. High structure are promising. Government has decided that this oil field should be developed to the production stage with the greatest expedition. It is being planned that the first stage of production should begin in 1976 and that in another four years, the production from this area should go up to 10 million tonnes. The future outlook for production of oil from offshore and onshore areas is reassuring.

11. There is understandably some anxiety about the Fifth Five Year Plan. A plan has a framework and a coherent system of objectives as well as a detailed programme indicating targets and the availability of resources necessary for achieving them. The basic framework of the draft Fifth Plan and its objectives remain unaltered. At the same time, the extraordinary developments in the economic sphere, both external and internal, call for adjustments in the sequence and composition of detailed programmes. Meanwhile, the annual plan for 1975-76 is being prepared giving emphasis to economic stability and increased investment in crucial sectors—agricultural production, irrigation, fertilisers, power, steel, coal and oil exploration. It is also proposed to intensify development programmes benefiting the less developed regions and the weaker sections of the community including scheduled castes and scheduled tribes. Programmes under the Small Farmers Development Agency and those for a Marginal Farmer and Agricultural Labour, drought prone areas and the command areas are being accelerated.

12. A review of the national effort in 1974 will not be complete without reference to the major advance that we made in the nuclear field—the underground experiment of 18th May, 1974. I congratulate our nuclear scientists and engineers on this signal achievement. We have reaffirmed our determination to use nuclear energy only for peaceful purposes and our reasons for undertaking the experiment have been appreciated by most countries. Government will continue to give a place of importance to science and technology as instruments of economic advancement.

13. I am happy that the extensive talks held between the representatives of the Government of India and the leaders of the State of Jammu and Kashmir have yielded positive results. Government will shortly make a statement in this regard. We wish the people of Jammu and Kashmir speedy progress as an integral part of the nation.

14. Hon. Members, when the nation is straining every nerve to meet formidable challenges, it is regrettable that some groups have been doing every

thing possible to weaken the will of the people and to sap the cohesion and unity of purpose, so vital at such times. They claim their object is total revolution and elimination of corruption but the actual result is violence and disruption of political and economic life. Government is fully conscious of the need for reform in several spheres of national life and welcomes suggestions. Indeed, our objective is to bring about a transformation of society and to change the quality of life. It is the essence of the democratic system that changes are brought about through the widest possible discussion and agreement. Mere disruption of the existing system or institutions, with no better and workable alternative, will only endanger the stability and progress of our country.

15. Government is anxious that the Lokpal and Lokayukthas Bill, which has been before you for some time now, should be considered and finalised during this year. This will provide the legal framework to deal with corruption among political executives and in administration. Government will shortly discuss with the leaders of political parties proposals for changes in the electoral law. Whatever reforms are introduced should be such as will command the widest possible public support and consolidate the system of parliamentary democracy enshrined in our Constitution.

16. As regards education also, Government has worked out programmes for reform of the examination system, vocationalisation of secondary education, regulation of enrolment for higher education and introduction of a system of non-formal education. Previous experience shows that schemes of educational reform fail to gather momentum unless they are widely accepted by State Governments, teachers, parents and students. Meanwhile, considerable disturbance is caused in the scholastic career of millions of young people. State Governments have taken steps to implement some of the programmes of reform. We are anxious that more far-reaching changes in the educational system are introduced through the widest possible discussion.

17. I appeal to all sections of the people to ponder seriously over these fundamental issues, offer positive and constructive suggestions and criticisms and co-operate with the Government in working out national solutions. This is the democratic way. Any other way will lead only to chaos and disillusionment.

18. I may now refer to developments in Sikkim. Elections were held there for the first time in April, 1974. On the unanimous resolution of the elected Assembly, a new constitutional framework was promulgated by the Chogyal on the 4th July, 1974. Responding to the expressed wishes of the people of Sikkim, you approved a Constitution Amendment Bill in September, 1974 incorporating specific provisions for strengthening Indo-Sikkim relationship, including the representation of Sikkim in our Parliament. We congratulate the people of Sikkim on the progressive realisation of their democratic aspirations.

19. In our relations with the outside world, we have naturally continued to attach special importance to the consolidation of friendly relations with our neighbours.

20. In December, 1974. we had the privilege of welcoming the King of Bhutan. The visit served to consolidate further the traditional warm friendship between India and Bhutan.

21. An event of significance in our close relations with Bangladesh was the conclusion of an Agreement, during the visit of Bangabandhu Sheikh Mujib Rahman in May last, settling the land boundary questions which had remained unresolved for nearly a generation. I feel confident that the two countries will resolve any issue which may arise in the same spirit of understanding and co-operation.

22. There has been increasing co-operation with Afghanistan in the political and economic fields. We look forward to the visit of President Daoud next month.

23. During the recent visit of the Prime Minister of Nepal, there was a detailed exchange of views on various aspects of Indo-Nepal relations. It was recognised that it was in the interest of both India and Nepal to do their utmost to strengthen bilateral relations keeping in view, at all times, the principles of reciprocity and mutual benefit.

24. I am particularly gratified that the cordial relations between Sri Lanka and India were further strengthened by the amicable settlement of the long outstanding questions of Kachhativu and the maritime boundary in the waters of the Palk Bay as well as the status of persons of Indian origin in Sri Lanka.

25. The exchange of visits between the Prime Ministers of Maldives and India strengthened the friendly relations between the two countries.

26. The visit of the Prime Minister of Mauritius, Sir Seewoosagur Ramgoolam, helped to further strengthen our close ties with that country.

27. The goodwill visit of President Ne Win of Burma in April, 1974 consolidated our mutual co-operation and understanding on bilateral and international questions.

28. Several steps were taken towards normalising relations with Pakistan. Progress has been slow but not discouraging. Agreements have been worked out for the resumption of postal services, telecommunication links, travel facilities and trade between the two countries. We hope that the healthy trend towards settling differences bilaterally and through peaceful means will gather momentum and that Pakistan will realise the futility of rearming itself by procuring arms from various sources, as this will hinder reconciliation and the establishment of durable peace on the sub-continent.

29. A continental shelf boundary Agreement was concluded with Indonesia. We were honoured to receive the King and Queen of Malaysia in

December, 1974. Their visit served to underscore the friendship and understanding between our two countries.

30. There is marked increase in the tempo of our political and economic relations with the countries of East Asia. With Japan, our relations remain friendly and our trade ties are growing.

31. As you are aware, Government is taking steps to establish formy contacts and more direct relations with the Provisional Revolutionary Government of South Vietnam.

32. Our traditional ties with the Arab World have continued to be marked by solidarity and close co-operation. We have had exchange of visits at the highest level with a number of Arab countries such as Iraq, Sudan, the Arab Republic of Egypt and the United Arab Emirates, during which we have had discussions on our common policies and have entered into a number of agreements in the economic and technical fields. The situation in West Asia is a cause for grave anxiety. Lasting peace in West Asia will not be achieved until justice is assured to Palestinians and Arab territories seized by aggression are vacated. We welcome the presence of the Palestine Liberation Organisation in the United Nations.

33. Our Prime Minister's visit to Iran and the visit of the Shahanshah of Iran to India contributed to the strengthening of relations between the two countries. We have agreed on a number of long term projects which should bring our countries closer in economic and other fields.

34. An event of great significance to the cause of liberty and freedom in the world was the change in the Government in Portugal. An Agreement has been entered into for resumption of diplomatic relations between India and Portugal. We welcome the opening of a new chapter of friendship and co-operation with that country.

35. In the progress of the African peoples towards independence, a new era has dawned. Some of the Portuguese colonial territories are on the threshold of independence, in others the process has begun. Apparently, these events are having an impact on the illegal regime in Rhodesia ; we have no doubt that in Zimbabwe too a settlement will be reached for the establishment of majority rule and the end of discrimination. South Africa cannot remain unaffected and we sincerely hope that the logic of these events and the inevitability of the outcome will be clear to this last bastion of colonialism and racialism and that there will be an end to the suppression of human liberty and other forms of persecution which have earned them the censure of the civilised world.

36. The visits of Dr. Kenneth Kaunda, President of Zambia and Mr. Kawawa, Vice-President of Tanzania further strengthened economic and technical co-operation between India and these countries,

37. We wish to strengthen our ties with the developing countries of Asia, Africa and Latin America through economic and technical co-operation. We have developed expertise in a number of fields and have a large reserve of trained and experienced man-power and thus have the capacity to respond to the requests of friendly developing countries for co-operation in economic development. Similarly, many of these countries can help us in several ways. A positive aspect of the oil situation is the enormous possibilities it has opened up for mutual co-operation between developing countries.

38. We greatly appreciate the support given by the USSR to our policy of non-alignment and friendship among all nations and to the initiatives taken by us to expedite the process of normalisation on the sub-continent. Indo-Soviet co-operation is growing in all fields.

39. During 1974, we had the privilege of receiving the Prime Ministers of Bulgaria, Czechoslovakia, the GDR and Hungary. The exchange of views with these leaders has deepened our mutual understanding.

40. India and Yugoslavia have continued their close co-operation in the Non-aligned Movement and at the United Nations and other international forums.

41. During the visit of Dr. Henry Kissinger to India in October, 1974, there was expression of mutual desire for better understanding and a mature relationship between India and the United States of America. An Indo-US Joint Commission, which will provide an institutional framework for co-operation, was formed. We hope that the United States will continue to support the trend towards normalisation on the sub-continent and will not take any steps which may adversely affect it.

42. The European Economic Community is taking a progressively more liberal attitude towards the problems of development. Over a third of India's trade is with the countries of the Community and we look forward to increasing co-operation with them.

43. Relations with Australia and New Zealand have remained close and cordial based on a growing understanding on Asian questions. Both these countries have shared the concern of the littoral States regarding the need to maintain the Indian Ocean as a Zone of Peace, a matter to which we attach very great importance.

44. We are convinced that the crisis in the international economic order and the enormous problems facing developing countries can be resolved only if there is peace and absence of tension throughout the world.

45. Hon'ble Members, during this Session you have to consider the Statement of Receipts and Expenditure and the Demands for Grants for the

coming financial year, which is crucial from the point of view of further stabilising the economy and giving it a firm direction. Of the new legislative measures that will be presented to you, the most important one deals with the imposition of ceiling on urban land. You have as many as 34 Bills pending before you in various stages. Some of these are of far-reaching importance. You have a full and strenuous programme ahead of you I appeal to one and all not to fritter away national energies on acrimonious controversies and agitations but to give a constructive and confident lead to the people of India, who have a proven capacity to overcome challenges.

I wish you success in your endeavours.

JAI HIND

माननीय सदस्यगण

मैं आप सब का स्वागत करता हूँ और अगले वर्ष फिर मेहनत और लगन के साथ राष्ट्र की सेवा करने का बुलावा देता हूँ।

2. पिछले चार वर्षों में नागहानी और भारी चुनौतियों का हिम्मत से मुकाबला करने के बाद हम बड़े साहस के साथ यह वर्ष शुरू कर रहे हैं। लगातार बढ़ती हुई कीमतों को देखते हुए, 1974 में सरकार की सबसे बड़ी चिन्ता यह रही कि अर्थ-व्यवस्था को पायदार बनाया जाए। मुद्रा-स्फीति पर काबू पाने के लिए सरकार ने एक व्यापक नीति अपनाई और जुलाई 1974 से इसे अमल में लाया गया।

3. अधिक से अधिक साधन जुटाने और गैर-योजना खर्च में कमी करने के अलावा, एक उचित मुद्रानीति के जरिये मुद्रा-प्रसार पर रोक लगाई गई। स्मगलिंग, जमाखोरी और टैक्स इवेजन जैसे आर्थिक अपराधों तथा कम मिलने वाली चीजों का नकली माल बनाने वालों के खिलाफ एक जोरदार मुहिम चलाई गई। डिबिडेंड्स की आमदनी को सीमित करके और बढ़ाई गई मजदूरी, वेतन मंहगाई भत्ते के एक हिस्से को रोके रख कर कन्स्यूमर खर्च को काबू में रखा गया। सरकारी डिस्ट्री-ब्यूशन सिस्टम को मजबूत किया गया और अनाज, जरूरी कच्चा माल और दूसरे सामान को काफी मात्रा में आयात करने का बन्दोबस्त किया गया। 1974-75 की सालाना योजना पर फिर से गौर किया गया और उत्पादन बढ़ाने की गर्ज से जरूरी क्षेत्रों में खर्च की जाने वाली रकम को बढ़ाया गया। पावर प्लांट्स, रेल ट्रांसपोर्ट, कोयला उत्पादन, इस्पात प्लांट्स और दूसरे सरकारी क्षेत्रों के उद्योगों की क्षमता को पूरी तरह काम में लाने के लिये जोरदार कार्रवाई की गई।

4. इन सब कार्रवाइयों के नतीजे सितम्बर, 1974, के आखिर में सामने आने शुरू हुए। कई राज्यों में वर्षा की कमी की वजह से खरीफ की फसल तसल्ली बख्श न होते हुए भी कीमतें गिरनी शुरू हुई और मुद्रा-स्फीति को बढ़ावा देने वाले जरिये कमजोर पड़ने लगे। जरूरियाते ज़िदगी की चीजों के मिलने में सुधार हुआ है और रबी की फसल अच्छे होने के आसार हैं।

5. इस माली साल के पहले नौ महीनों में सरकारी क्षेत्र के उद्योगों के उत्पादन में अच्छी बढ़ौतरी हुई है। थर्मल प्लांट्स से चौदह फ्रीसदी ज्यादा बिजली पैदा की जा रही है और डी० वी० सी० प्लांट्स से बिजली पैदा करने में चौतीस फ्री सदी की बढ़ौतरी काबले ज़िकर है। क्योंकि कई राज्यों में फिर भी बिजली की कमी पाई जाती है, पावर प्रोजेक्ट्स के पूरा करने के काम को ज़ोरों से हाथ में लिया जा रहा है। 1974-75 में लगभग बीस लाख कि० वा० बिजली की क्षमता बढ़ाई जा रही है और तीस लाख अगले वर्ष में बढ़ाई जाएगी। इस वर्ष एक करोड़ टन ज्यादा कोयला पैदा होगा। इस्पात का उत्पादन बढ़ रहा है और सरकारी क्षेत्र के इंजीनियरिंग उद्योग बहुत अच्छे काम कर रहे हैं। अधिक रेल वैन रोज़ाना चलाए जा रहे हैं।

6. मैं मजदूरों, किसानों और दूसरे तबके के लोगों को बधाई देता हूँ, जिन्होंने अर्थ-व्यवस्था को पायदार बनाने के सरकारी प्रोग्रामों के समर्थन में पुख्ता इरादे, साहस और राष्ट्रीय उद्देश्य के अनुसार कार्य किया।

7. सरकार यह जानती है कि अभी आत्मसन्तोष नहीं हो सकता है, क्योंकि अर्थ-व्यवस्था के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पूर्ति और मांग के बीच अभी भी भारी असंतुलन है। अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक स्थिति के बारे में भी कुछ यकीन से नहीं कहा जा सकता।

8. मुद्रा-सम्बन्धी और माली सुधार के लिए जो कदम उठाये गये और आर्थिक अपराधों के खिलाफ जो कार्रवाई की गई है उसे ज़ोरों से जारी रखा जाएगा। साथ साथ सरकार यह कोशिश करेगी कि जरूरी क्षेत्रों के इन्फ्रास्ट्रक्चर में जो कमियां हैं, उन्हें दूर करने के लिये ठोस कदम उठाये जायें और उत्पादन बढ़ाया जाये। हम विकासशील देशों और ऐसे विकसित देशों, जिन्होंने हमारी समस्याओं को समझने का परिचय दिया है, के सहयोग से अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में एक न्यायपूर्ण और वायबल अर्थ व्यवस्था के विकास के लिए अपना काम जारी रखेंगे।

9. तेल, अनाज और रासायनिक खाद की कीमतें अचानक बढ़ जाने से हमें काफी धक्का लगा है। आम जरूरत की चीजों पर असर पड़ा है और इससे जनता को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। विदेशी-मुद्रा का काफी निकासन हुआ है। 1974-75 के पहले आठ महीनों में एक्सपोर्ट अर्निंग 36 फी सदी बढ़ी। फिर भी यह नुमायां बढ़तीरी फॉरन एक्सचेंज की कमी को पूरा करने के लिये काफी नहीं है। तेल आयात करने वाले विकासशील देशों की समस्याएँ हल करने के लिए खास प्रयास और बन्दोबस्त जरूरी है। इस मामले में तेल निर्यात करने वाले कुछ देशों ने हमारी मदद की है। अन्तर्राष्ट्रीय सतह पर भी कुछ कार्रवाई की गई है। लेकिन हालात को देखते हुए ये उपाय काफी नहीं हैं। यह मानना होगा कि विकासशील देशों की अर्थ-व्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा है और इसे ग्लोबल पैमाने पर दुनिया के सभी देशों के अर्थपूर्ण सहयोग से पूरा करना होगा। बाइलेट्रल नैगोसियेशनस् और इंटरनेशनल फोरम्स के जरिये हम इस दिशा में उचित पहल जारी रखेंगे।

10. तेल उत्पादन बढ़ाने और कोयले के इस्तेमाल पर ज़ोर देने के अलावा, हमने तेल की खोज का काम प्राथमिकता के आधार पर शुरू कर दिया है। बम्बई हाई क्षेत्र में जो खोजें की गई हैं नतीजे बहुत ही आशाजनक हैं। सरकार ने यह फैसला किया है कि इस तेल-क्षेत्र का जल्दी से विकास किया जाए ताकि उत्पादन शुरू हो सके। ऐसी योजना बनाई जा रही है कि 1976 में उत्पादन शुरू हो जाए और अगले चार वर्षों में इस क्षेत्र से एक करोड़ टन का उत्पादन हो सके। जल व थल दोनों ही इलाकों में तेल-उत्पादन का भविष्य बहुत आशाजनक है।

11. पांचवीं पंच वर्षीय योजना के बारे में कुछ चिन्ता होना वाजबी है। योजना का एक ढांचा होता है और उद्देश्यों की एक सुसंगत प्रणाली होती है। इसके साथ तफसीली प्रोग्राम भी होता है जिससे लक्ष्यों और उनको प्राप्त करने के लिए आवश्यक साधनों का पता चलता है। पांचवीं योजना के बुनियादी ढांचे और इसके लक्ष्यों में कोई हेर फेर नहीं किया गया है। साथ ही देश और विदेश के आर्थिक क्षेत्रों में अनोखी घटनाओं को देखते हुए अपने प्रोग्राम में कुछ रद्दो बदल करने की जरूरत है। इसी बीच 1975-76 की वार्षिक योजना तैयार की जा रही है, जिसमें अर्थ-व्यवस्था को मजबूत करने और जरूरी क्षेत्रों—कृषि-उत्पादन, सिंचाई, रासायनिक खाद, बिजली, इस्पात, कोयला और तेल खोज में अधिक धन राशि लगाने पर बल दिया जा रहा है। यह भी प्रस्ताव है कि विकास के उन प्रोग्रामों को बढ़ाया जाए जिन से कम विकसित खण्डों और कमज़ोर वर्गों, जिनमें शड्यूल्ड कास्टस और शड्यूल्ड ट्राइब्स के लोग भी शामिल हैं, को फायदा पहुंचे। स्माल फार्मर्स डेवलपमेंट एजेंसी और मारजिनल फार्मर एण्ड एग्रीकलचरल लेबर, सूखा पड़ने वाले क्षेत्रों और कमांड एरियास के प्रोग्रामों को बढ़ाया जा रहा है।

12. 1974 के राष्ट्रीय प्रयासों की समीक्षा परमाणु क्षेत्र में अपनी महान तरक्की का जिक्र किये बिना पूरी नहीं होगी। 18 मई 1974 को जमीन के नीचे परमाणु विस्फोट किया गया था मैं इस महान उपलब्धि के लिए परमाणु वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई देता हूं। हमने फिर से प्रतिज्ञा की है कि परमाणु ऊर्जा का प्रयोग केवल शांति के लिए ही किया जाएगा और इसके लिए सभी देशों ने हमारी सराहना की है। सरकार आर्थिक तरक्की लाने के लिये साइंस और टेक्नोलोजी को महत्वपूर्ण स्थान देती रहेगी।

13. मुझे खुशी है कि भारत सरकार के प्रतिनिधियों और जम्मू-कश्मीर के नेताओं के साथ व्यापक रूप से हुई बातचीत के ठोस नतीजे निकले हैं। इस सम्बन्ध में सरकार जल्दी ही घोषणा करेगी। हमारी कामना है कि राष्ट्र के अभिन्न अंग के रूप में जम्मू-कश्मीर के लोग तेजी से तरक्की करें।

14. माननीय सदस्यगण, जब राष्ट्र महान चुनौतियों का मुकाबिला करने के लिये जी तोड़ कोशिश कर रहा है, यह दुख की बात है कि कुछ जमातों के लोग जनता के संकल्प को कमजोर करने और संयुक्त तथा समान उद्देश्य, जिसकी इस वक्त बहुत जरूरत है, को निष्फल करने की हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं। उनका दावा है कि उनका लक्ष्य पूर्ण क्रांति लाना और भ्रष्टाचार मिटाना है लेकिन असल में नतीजा यह रहा कि हिंसा फैली और राजनीतिक और आर्थिक जीवन छिन्न-भिन्न हुआ। सरकार इस बात को पूरी तरह जानती है कि राष्ट्रीय जीवन के बहुत से क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। असल में, हमारा उद्देश्य है समाज में परिवर्तन लाना और जनजीवन के स्वभाव में सुधार लाना। लोकतन्त्र की प्रणाली का यही सार है कि परिवर्तन ज्यादा से ज्यादा विचार-विमर्श और आपसी समझौते के आधार पर ही लाया जाय। जब तक काबिले अमल कोई बेहतर तरीका सामने न रखा जाय मौजूदा व्यवस्था और संस्थाओं को छिन्न-भिन्न करने से हमारे देश की पायदारी और तरक्की को खतरा होगा।

15. सरकार चाहती है कि लोकपाल तथा लोकायुक्त विधेयक पर, जो कुछ समय से आपके सामने है, विचार हो और इस वर्ष इसे अन्तिम रूप दिया जाए। इससे राजनीतिक प्रशासकों और प्रशासन में भ्रष्टाचार से निपटने का कानूनी आधार मिलेगा। सरकार चुनाव-कानून में संशोधन प्रस्तावों पर राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ जल्दी ही विचार-विमर्श करेगी। जो भी सुधार लाए जाएं वे ऐसे होने चाहिए कि जहां तक हो सके उन्हें जनता का पूरा समर्थन मिले और उनसे हमारी संविधान में रखी गई संसदीय लोकतन्त्र मजबूत हो।

16. शिक्षा के मामले में भी, सरकार ने इम्तेहान के तरीकों में सुधार लाने, सैकंडरी एजुकेशन को काम बन्धों का आधार देने, उच्चतर शिक्षा के लिए एनरोलमट का असूल इख्तियार करने और गैर-औपचारिक शिक्षा की प्रणाली लागू करने के प्रोग्राम बनाए हैं। पिछले तजुर्बे से पता चलता है कि शिक्षा के सुधार की योजनाओं में तब तक तेजी नहीं आती जब तक राज्य सरकारें, शिक्षक, माता-पिता और विद्यार्थी इन्हें स्वीकार नहीं करते। इसी बीच लाखों नौजवानों के पढ़ाई के जीवन में काफी बेचैनी देखनी में आई है। राज्य सरकारों ने सुधार के कुछ प्रोग्रामों को उपाय में लाने के उपाय किए हैं। यह चाहते हैं कि तालीम के तरीकों में अगर कोई बुनियादी तबदीली लानी है तो इसे पूरी तरह विचार विमर्श के बाद लाया जाय।

17. मैं सभी तबके के लोगों से अपील करता हूं कि वे इन बुनियादी सवालों पर संजीदगी से विचार करें, ठोस और रचनात्मक सुझाव सामने रखें और हल ढूंढने के लिए सरकार को सहयोग दें।

लोकतन्त्र का यही तरीका है। कोई और तरीका अपनाने से गड़बड़ फैलेगी और कोई कार आमद नतीजा न निकलेगा।

18. अब मैं सिक्किम की घटनाओं का जिक्र करना चाहूंगा। अप्रैल, 1974 में वहां पहली बार चुनाव हुए। सर्व-सम्मति से विधान सभा के प्रस्ताव पर 4 जुलाई, 1974 को चोग्याल की घोषणा के आधार पर नया संविधान लागू किया गया। सिक्किम की जनता की इच्छायें पूरी करने के लिए आपने सितम्बर, 1974 में संविधान संशोधन विधेयक पास किया, जिसमें भारत और सिक्किम की मित्रता को मजबूत बनाने के लिए खास व्यवस्था थी और सिक्किम के प्रतिनिधियों को हमारी संसद में स्थान दिया गया। सिक्किम की जनता को, लोकतन्त्र हासिल करने की अपनी इच्छाओं और आशाओं को रफ़ता-रफ़ता पूरा करने में कामयाब होने पर हम बधाई देते हैं।

19. हमने, विदेशों के साथ अपने सम्बन्धों के मामले में स्वाभाविक तौर से अपने पड़ोसी देशों के साथ मित्रता के सम्बन्धों को बढ़ावा देने पर खास ध्यान दिया है।

20. हमें दिसम्बर, 1974 में भूटान के राजा का स्वागत करने का सौभाग्य मिला। इस यात्रा से भारत और भूटान के बीच आपसी दोस्ती ज्यादा गहरी और मजबूत हुई।

21. पिछली मई में बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की यात्रा के दौरान, बंगला देश के साथ एक समझौता हुआ जो हमारे निकट सम्बन्धों की एक महत्वपूर्ण घटना है। इसमें सीमा के उन मसलों को हल किया गया जिन पर लगभग एक पीढ़ी से कोई फैसला नहीं हो पाता था। मुझे पूरा यकीन है कि दोनों देश समझबूझ और सहयोग की उसी भावना से कोई भी मसला, जो सामने आये, सुलझाएंगे।

22. राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्रों में अफ़ग़ानिस्तान के साथ हमारा सहयोग बढ़ा है। हम अगले महीने राष्ट्रपति दाउद के आने का इन्तज़ार कर रहे हैं।

23. नेपाल के प्रधान मन्त्री की हाल की यात्रा के दौरान, भारत-नेपाल सम्बन्ध के मुख्तलिफ़ पहलुओं पर विस्तारपूर्वक विचार हुआ। यह स्वीकार किया गया कि इसमें भारत और नेपाल दोनों का ही फायदा है कि वे आदान-प्रदान और एक दूसरे के हित को ध्यान में रख हुए बाईलेट्रल सम्बन्ध को मजबूत बनाने की कोशिश करें।

24. मुझे इस बात पर खास तौर से सन्तोष है कि कच्चातीबू के मसले पर, पाक के मुहाने की समुद्री सीमा और श्री लंका में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों के दर्जे के मामले में पुराने सवालों को मित्रतापूर्ण हल किया गया जिससे श्रीलंका और भारत की दोस्ती के ताल्लुकात और मजबूत हुए।

25. मालदीव और भारत के प्रधान मन्त्रियों की एक दूसरे के देश की यात्रा से दोनों देशों के बीच मित्रता के सम्बन्ध मजबूत हुए।

26. मारिशस के प्रधान मंत्री सर शिबूसागर रामगुलाम की यात्रा से, उस देश के साथ हमारे निकट सम्बन्ध और मजबूत होने में मदद मिली है।

27. अप्रैल, 1974 में बर्मा के राष्ट्रपति ने-विन की सद्भावना यात्रा से आपसी सहयोग और समझबूझ को बढ़ावा मिला है।

28. पाकिस्तान के साथ सम्बन्ध सामान्य बनाने की दिशा में कई कदम उठाये गए हैं। प्रगति धीमी हुई है, लेकिन निराशाजनक नहीं है। दोनों देशों के बीच डाक-सेवा, टेली-कम्यूनिकेशन, यात्रा-सुविधा और व्यापार फिर से शुरू करने पर समझौते हुए हैं। हमें आशा है कि एक दूसरे से बातचीत करके और शांतिपूर्ण तरीके से मतभेद दूर करने के अच्छे खय्ये में तेज़ी आएगी और

पाकिस्तान यह समझने की कोशिश करेगा कि मुक्तलिफ जरियों से हथियार जमा करके अपने आप को फिर से लैस करना बेसूद है, क्योंकि इससे आपसी मेल-मिलाप और इस उप-महाद्वीप में पायदार अमन कायम करने में रुकावट आयेगी।

29. इन्डोनेशिया के साथ कांटेनैन्टल शैल्फ बाऊन्ड्री एग्रीमेंट हुआ है। दिसम्बर, 1974 में मलयेशिया के राजा और रानी का स्वागत करने का हमें फ़ख्र हासिल हुआ। उनकी यात्रा से हमारे दोनों देशों के बीच मित्रता और समझबूझ बढ़ने में मदद मिली।

30. पूर्वी एशिया के देशों के साथ हमारे राजनीतिक और आर्थिक सम्बन्धों की रफ़्तार बढ़ी है। जापान के साथ हमारे सम्बन्ध मित्रता पूर्ण बने हुए हैं और हमारे व्यापार सम्बन्ध बढ़ते जा रहे हैं।

31. जैसा आप जानते ही हैं हमारी सरकार दक्षिण वियतनाम की अस्थायी क्रान्तिकारी सरकार के साथ औपचारिक तथा और ज्यादा सीधा सम्बन्ध कायम करने के उपाय कर रही है।

32. अरब देशों के साथ हमारे पुराने ताल्लुकात बराबर की जिम्मेदारी और निकट सहयोग के आधार पर बढ़ते जा रहे हैं। हमारे और इराक, सूडान, अरब गणराज्य, संयुक्त अरब लघु गणराज्य जैसे कई अरब देशों के बीच बड़े से बड़े प्रतिनिधि मण्डलों की यात्राओं के दौरान हमने अपनी सामान्य नीतियों पर विचार-विमर्श किये और आर्थिक तथा तकनीकी क्षेत्रों में कई समझौते हुए। पश्चिम एशिया की हालत गहरी चिन्ता का कारण है। पश्चिम एशिया में स्थायी शान्ति तब तक नहीं आ सकती जब तक फिलिस्तिनियों के साथ इन्साफ नहीं किया जाता और हमला करके हथियाई गई अरबों की ज़मीन को खाली नहीं किया जाता। हम युनाइटेड नेशन्स में फिलिस्तीन मुक्ति संगठन की मौजूदगी का स्वागत करते हैं।

33. हमारी प्रधान मंत्री की ईरान यात्रा और ईरान के शहंशाह की भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच सम्बन्ध और ज्यादा मज़बूत हुए। हमने लम्बी अवधि वाली कई परियोजनाओं पर सहमति ज़ाहिर की है जो आर्थिक और दूसरे क्षेत्रों में दोनों देशों को और निकट लाएंगी।

34. दुनिया में मुक्ति और स्वतन्त्रता की दिशा में एक बहुत ही महत्वपूर्ण घटना पुर्तगाल सरकार में परिवर्तन था। भारत और पुर्तगाल के बीच डिप्लोमैटिक सम्बन्ध फिर कायम करने पर एक समझौता हो गया है। हम उस देश के साथ मित्रता और सहयोग के एक नए अध्याय की शुरुआत का स्वागत करते हैं।

35. स्वतंत्रता की दिशा में अफ्रीकी लोगों की कामयाबी से एक नया युग शुरू हुआ है। पुर्तगाल की कुछ कालोनियां स्वतंत्रता के द्वार तक आ पहुंची हैं और कुछ में यह प्रोसेस शुरू हो गया है। साफ तौर से इन घटनाओं का रोडेशिया के गैर-कानूनी शासन पर असर पड़ा है; हमें इस बात में कोई संदेह नहीं कि जिम्बाबवे में भी बहुमत शासन की स्थापना के लिये एक समझौता हो जाएगा और भेदभाव का अन्त होगा। दक्षिण अफ्रीका इस असर से बचा नहीं रह सकता। हमें पूरी उम्मीद है कि इन वाक्यात की तर्क संगति और इसके नतीजे, जिन्हें टाला नहीं जा सकता, क्लोनियलिज्म और जातिवाद के इस आखिरी गढ़ को साफ नज़र आने लगेंगे और मानवीय स्वतंत्रता के दमन और अन्य प्रकार के अत्याचारों का खात्मा होगा जिन के कारण मुहज्जब दुनिया ने उन्हें सेन्सर किया है।

36. जाम्बिया के राष्ट्रपति डा० केनेथ कौंडा और तनज़ानिया के उपराष्ट्रपति श्री कवावा की यात्राओं से भारत और उन देशों के बीच आर्थिक व तकनीकी सहयोग और मज़बूत हुआ है।

37. आर्थिक और तकनीकी सहयोग से एशिया, अफ्रीका और लातिन अमरीका के विकासशील देशों के साथ हम अपने सम्बन्ध मज़बूत करना चाहते हैं हमने कई क्षेत्रों में एक्सपर्टाइज का

विकास किया है और हमारे यहां सिखाई हुई और तजुर्बेकार मानव-शक्ति का विशाल भंडार है और इस प्रकार आर्थिक विकास की दिशा में सहयोग के लिये विकासशील मित्र देशों की मांगों को पूरा करने की हममें क्षमता है। इसी प्रकार इनमें से कई देश कई तरह से हमारी मदद कर सकते हैं। तेल की स्थिति का एक पाज़िटिव पहलू यह है कि इससे विकासशील देशों में आपसी सहयोग की संभावनाएं बढ़ी हैं।

38. सभी राष्ट्रों के बीच मित्रता और नान-एलाइन्मेंट की हमारी नीति, और इस सब-कांटीनेंट में सामान्य स्थिति लाने का प्रोसैस तेज़ करने की हमारी पहल का सोवियत रूस द्वारा समर्थन किये जाने की हम बड़ी सराहना करते हैं। भारत-रूस सहयोग सभी क्षेत्रों में बढ़ रहा है।

39. 1974 में, बल्गेरिया, चेकोस्लोवाकिया, जर्मन जनवादी गणराज्य और हंगरी के प्रधान मंत्रियों का स्वागत करने का हमें सौभाग्य मिला। इन नेताओं के साथ विचार-विमर्श से हमारी आपसी समझबूझ बढ़ी है।

40. नॉन-एलायंड मूवमेंट में और युनाइटेड नेशन्स और दूसरे अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर, भारत और यूगोस्लाविया ने निकट सहयोग बनाए रखा है।

41. अक्टूबर, 1974 में डा० हेनरी किंसिजर की भारत यात्रा के दौरान, भारत और संयुक्त राज्य अमरीका के बीच बेहतर समझबूझ और परिपक्व सम्बन्ध की आपसी इच्छा जाहिर की गई थी। एक संयुक्त भारत अमरीका आयोग की स्थापना की गई है, जिससे सहयोग के लिये संस्थागत आधार मिलेगा। हमें आशा है कि संयुक्त राज्य अमरीका इस सब-कांटीनेंट में आम हालात पैदा करने की दिशा में हमेशा कोशिश करता रहेगा और ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा जिससे इस पर उल्टा असर पड़े।

42. यूरोपियन इकनामिक कम्युनिटी विकास की समस्याओं के प्रति अधिक प्रगतिशील और उदार पालीसी अपना रही है। भारत का एक तिहाई से ज्यादा व्यापार इस कम्युनिटी मुल्कों के साथ है और हम उनके साथ सहयोग बढ़ाने के लिये ख्वाहिशमन्द हैं।

43. आस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के साथ हमारे सम्बन्ध, एशियाई प्रश्नों पर बढ़ती हुई समझबूझ के आधार पर निकट और खुशगवार बने रहे हैं। ये दोनों देश हिन्द महासागर को शांति का क्षेत्र बनाए रखने की ज़रूरत के सम्बन्ध में, तटवर्ती राज्यों की चिन्ता से सहमत हैं। यह एक ऐसा मामला है जिसे हम बहुत महत्व देते हैं।

44. हमारा विश्वास है कि अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक-व्यवस्था का संकट और विकासशील देशों की समस्याएं अभी दूर होंगी जबकि सारे विश्व में शान्ति रहे और तनाव न हो।

45. माननीय सदस्यगण, इस अधिवेशन में आप आमदनी और खर्च के ब्यौरे तथा माली साल के अनुदानों की मांगों पर विचार करेंगे, जो अर्थ-व्यवस्था को और पायदार तथा निश्चित दिशा देने के नजरिये से महत्वपूर्ण है। नये लैजिस्लेटिव उपायों में जो आपके सामने पेश किये जाएंगे, सबसे महत्वपूर्ण वह है जिसका सम्बन्ध अर्बन लैंड की सीलिंग से है। आपके सामने कई चरणों में 34 बिल विचार के लिये हैं। इनमें से कुछ का बहुत महत्व है। आपके आगे एक सम्पूर्ण और कठिन प्रोग्राम है। मैं आप सबसे अपील करता हूँ कि तलख बहस मुबाहसा और आन्दोलनों पर राष्ट्र की शक्ति ज़ाया न करें, बल्कि भारत की जनता को, जिन में चुनौतियों का मुकाबला करने की पूरी क्षमता है, रचनात्मक और साहसपूर्ण नेतृत्व दें।

मैं आपके प्रयासों की सफलता की कामना करता हूँ।

जय हिन्द

Shri Madhu Limaye (Banke) : I have a point of order.

अध्यक्ष महोदय : अभिभाषण के सभा पटल पर रखते ही व्यवस्था का प्रश्न नहीं लाया जा सकता ।

निधन सम्बन्धी उल्लेख

Obituary References

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्यों ! आज जबकि हम दो मास के अवकाश के बाद मिल रहे हैं, मुझे सभा को दो सदस्यों की मृत्यु की दुःखद सूचना देनी है, श्री ललित नारायण मिश्र . . .

श्री मधु लिमये (बांका) : मेरा व्यवस्था का प्रश्न मद दो के बारे में है ।

अध्यक्ष महोदय : मैं इसकी अनुमति नहीं देता । अभिभाषण पर चर्चा के समय आप इसे पेश कर सकते हैं ।

श्री मधु लिमये : आप मेरे व्यवस्था के प्रश्न को सुने बिना आगे नहीं बढ़ सकते ।

अध्यक्ष महोदय : आपको मुझे निदेश देने का कोई अधिकार नहीं है ।

श्री श्याम नन्दन मिश्र (बेगु सराय) : निधन सम्बन्धी उल्लेख शान्त वातावरण में लिये जाने चाहिए । क्या आप किसी सदस्य को किसी भी समय व्यवस्था प्रश्न रखने से रोक सकते हैं ? यदि आप माननीय सदस्य को आश्वासन दें कि उनकी बात को बाद में ले लेंगे तो हम उनसे अनुरोध कर सकते हैं (व्यवधान) क्या किसी प्रक्रम पर किसी सदस्य को व्यवस्था का प्रश्न उठाने से रोक सकते हैं ?

अध्यक्ष महोदय : वह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के समय इसे उठा सकते हैं किन्तु अब नहीं ।

श्री दीनेन भट्टाचार्य (सीरमपुर) : माननीय सदस्य का व्यवस्था का प्रश्न मद 2 पर है ।

श्री श्याम नन्दन मिश्र : प्रश्न सदस्यों के व्यवस्था का प्रश्न उठाने के अधिकार का है ।

अध्यक्ष महोदय : यह सभा पटल पर रखते समय नहीं अपितु चर्चा के समय लिया जा सकता है । वह इसे चर्चा के समय ला सकते हैं ।

श्री मधु लिमये : वह इसे सभा पटल पर नहीं रख सकते ।

Shri Shyamnandan Mishra : Had you heard it just for half a minute, there would have been no interruption.

अध्यक्ष महोदय : मैं इसके लिये तैयार नहीं हूँ । मुझे सभा को इस सभा के दो सदस्यों श्री ललित नारायण मिश्र और श्री प्रताप सिंह तथा 6 भूतपूर्व सदस्यों, श्री टी० सुब्राह्मण्यम श्री हीरा लाल शास्त्री, श्री शंकर राव देव, श्री ओमिओ कुमार दास, श्री कृष्ण पाल सिंह और श्री एम० ए० जमाल मोहदीन के दुःखद निधन की सूचना देनी है ।

श्री ललित नारायण मिश्र जिनका उल्लेख पिछले सत्र के दौरान बहुत अधिक हुआ था, की मृत्यु अत्यन्त दुःखद स्थिति में हुई। श्री मिश्र 2 जनवरी, 1975 को समस्तीपुर में एक नई रेलवे लाइन का उद्घाटन करते हुए बम विस्फोट से घायल हुए तथा उनकी मृत्यु 3 जनवरी, 1975 को दानापुर अस्पताल में हुई। इसमें से अधिकांश के लिये यह भुला पाना कठिन है कि वह सदन में अग्रिम सीटों पर बैठे विवादास्पद मामलों को शान्ति पूर्ण ढंग से सुनते रहते थे। संसदविद के रूप में उनकी भाषण देने की एक अपनी विशेषता थी और उनकी टिप्पणियां अपने उग्र आलोचकों के प्रति भी मैत्रीपूर्ण होती थी।

श्री मिश्र ने विद्यार्थी जीवन में ही स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया और 1941 और 1942 में दो बार जेल गये। युवावस्था में ही उनका सम्बन्ध छात्र संगठनों से रहा जिनमें उन्होंने प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने बिहार के पहले आर्थिक सम्मेलन का आयोजन किया और पटना विश्वविद्यालय के शोधकर्ता के रूप में "ब्रिटिश साम्राज्य की 19वीं शताब्दी की साम्राज्यवादी नीति" पर विस्तृत अनुसंधान कार्य किया। बाद में उन्होंने बिहार में कृषकों तथा अन्य कमजोर वर्गों के सुधार से सम्बन्धित कई संगठनों का नेतृत्व किया और कतिपय मजदूर संगठनों में शामिल हुए। उनका एक लम्बा संसदीय जीवन रहा जिसका आरम्भ पहली लोक सभा की सदस्यता में 1952 में हुआ। 1957 तक लोक सभा के सदस्य रहने के बाद वह 1964 में राज्य सभा के लिये चुने गये और 1972 तक इसके सदस्य रहे। 1972 में वह पुनः इस सभा के सदस्य चुने गये। एक महान प्रशासक के रूप में उन्होंने देश की विभिन्न रूपों में सेवा की। वह 1957 से 1960 के दौरान योजना श्रम तथा रोजगार मंत्री के संसदीय सचिव रहे, 1962 से 1964 तक राष्ट्रीय परियोजना निर्माण निगम लि० के चेयरमैन रहे, 1964 से 1966 तक गृह मंत्रालय में उप मंत्री रहे, 1966-67 के दौरान वित्त मंत्रालय के उप मंत्री, 1967 में श्रम और पुनर्वास मंत्रालय के राज्य मंत्री, 1967 से 1970 तक रक्षा उत्पादन मंत्री, 1970 से 1973 तक विदेश व्यापार मंत्री, और 1973 से रेल मंत्री थे। उन्होंने विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय समितियों और सम्मेलनों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 1966 में कराची में हुए कोलम्बो सम्मेलन तथा 1967 में जेनेवा में हुए अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन में भाग लिया और सेन्टीएगो (चिली) में दूसरे अन्कटाड सम्मेलन में, तथा एशिया और सुदूर पूर्व तथा एशिया के लिए संयुक्त राष्ट्र आयोग के बेंगकाक में और मनीला में हुए सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधि मण्डल का नेतृत्व किया। उनका व्यक्तित्व ओजस्वी था, स्वभाव मैत्रीपूर्ण था और उनमें अहं की भावना नहीं थी। श्री मिश्र का मस्तिष्क तथा हृदय महान था। उनके सहयोगी एक सच्चे और उदार मित्र के रूप में उनका सम्मान करते थे। वह एक महान संगठक थे तथा सम्मुख समस्या के प्रति उनका दृष्टिकोण व्यवहारिक था। उनकी दुःखद मृत्यु से देश ने एक निष्ठावान स्वतंत्रता सेनानी, एक योग्य प्रशासक और प्रसिद्ध संसद विद खो दिया है।

श्री प्रताप सिंह हिमाचल प्रदेश के शिमला निर्वाचन क्षेत्र से लोक सभा के सदस्य थे। वह वर्ष 1962—70 से तीसरी और चौथी लोक सभा के भी सदस्य थे। इससे पूर्व 1952—56 के दौरान वह हिमाचल प्रदेश विधान सभा के तथा 1957—62 में प्रादेशिक परिषद् के सदस्य रहे। 1932 में वह सेना में भर्ती हुए और सराहनीय सेवा के लिए उन्होंने पांच पदक प्राप्त किये।

वह वर्ष 1950 में जूनियर कमीशन प्राप्त अधिकारी के रूप में सेवा-निवृत्त हुए, विनीत और समर्पित कार्यकर्ता के रूप में वह कई सामाजिक, सहकारी, श्रम तथा कल्याण संस्थाओं से

सम्बद्ध थे। उन्होंने अनुसूचित जातियों तथा भूतपूर्व सैनिकों के परिवारों के कल्याण में बहुत रुचि ली तथा उन्होंने सिरमौर जिले में अनुसूचित जाति पंचायतों के निर्माण में सहायता दी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों संबंधी समिति के अध्ययन दल के संयोजक के नाते उन्होंने समिति के कार्यों में अत्यन्त रुचि ली। जब वह इस समिति के अध्ययन दल के दौरे पर गए हुए थे तो 24 जनवरी, 1975 को पोर्ट ब्लेयर पर उनका निधन हो गया। उनका निधन से देश के कमजोर वर्ग और विशेषकर हिमाचल प्रदेश की जनता को बहुत क्षति पहुंची है।

श्री टेकुर सुब्रह्मण्यम कर्नाटक के बेलारी चुनाव-क्षेत्र से वर्ष 1952-67 के दौरान पहली दूसरी तथा तीसरी लोक सभा के सदस्य रहे। पुराने स्वतन्त्रता-सेनानी के नाते उन्होंने विभिन्न स्वतन्त्रता आन्दोलनों में भाग लिया तथा चार बार जेल गए। सामाजिक कार्यकर्ता एवं कृषक होने के नाते उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के विकास तथा सहकारी आन्दोलनों एवं अपने राज्य की अन्य राहत गतिविधियों में गहन रुचि ली। वह हरिजनों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के हितों की रक्षा के लिए हमेशा आगे रहे तथा छुआछूत उन्मूलन के लिए लड़े। उनका निधन 74 वर्ष की अवस्था में 24 दिसम्बर, 1974 को बंगलौर में हुआ।

श्री हीरालाल शास्त्री वर्ष 1947-50 के दौरान संविधान-सभा के सदस्य रहे। वह वर्ष 1957-62 के दौरान राजस्थान के सवाई-माधोपुर निर्वाचन-क्षेत्र से दूसरी लोक-सभा के सदस्य भी रहे। स्वतन्त्रता प्राप्ति से पूर्व तथा स्वतन्त्रता प्राप्ति के उपरान्त उन्होंने लम्बे समय तक राजस्थान की जनता की सेवा की। वह वर्ष 1936 में जयपुर राज्य प्रजा मंडल में शामिल हुए और बाद में आल इण्डिया स्टेट पीपल्स कान्फ्रेंस के महासचिव बने। वर्ष 1939 में जयपुर में नागरिक अधिकार आन्दोलन शुरू करने के कारण जेल भोगी। स्वतन्त्रता के बाद वह जयपुर राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बने। तथा राज्यों के विलय के बाद वर्ष 1949 में राज्यस्थान के प्रथम मुख्य-मंत्री बने। श्री शास्त्री एक महान शिक्षाविद, लेखक तथा कवि थे। वर्ष 1935 में उनके द्वारा बालिका विद्यापीठ के रूप में वनस्थली महिला कालेज की स्थापना राजस्थान में स्त्री-शिक्षा के लिए की गई सेवाओं के प्रति स्थायी श्रद्धांजलि है। उनका निधन 75 वर्ष की आयु में 28 दिसम्बर, 1974 को जयपुर में हुआ।

श्री शंकरराव राव देव वर्ष 1946-52 के दौरान संविधान सभा तथा अस्थायी संसद के सदस्य रहे। महात्मा गांधी के निकट सहयोगी होने के नाते उन्होंने कई बलिदान दिए तथा स्वतन्त्रता संघर्ष में काफी यातनाएं सहیں। वह सच्चे अर्थों में गांधीवादी दृष्टिकोण और विचारधारा के प्रतीक थे। उन्होंने कभी किसी सरकारी पद की भी महत्वकांक्षा नहीं की, अपितु भूदान आन्दोलन में भाग लेना बेहतर समझा और बाद में सर्वोदय आन्दोलन के लिए जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने ऐसी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व किया जिसका प्रतिनिधि इस समय हमारे बीच नहीं है। 80 वर्ष की आयु में 30 दिसम्बर, 1974 को पूना में उनका निधन हो गया।

श्री अमीय कुमार दास 1947 में संविधान सभा के सदस्य थे। आसाम के पुराने स्वतन्त्रता सेनानी होते हुये वह स्वतन्त्रता संग्राम में सदैव ही अग्रण्य रहे और उन्होंने अनेक बार जेल यात्रा भी की। वह आसाम विधान सभा के सदस्य भी थे और स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद उन्होंने शिक्षा

और सप्लाई मंत्री के रूप में आसाम राज्य की सेवा की। वर्ष 1952 के आम चुनावों में उन्हें फिर आसाम विधान सभा का सदस्य चुन लिया गया और वह वहां श्रम तथा शिक्षा मंत्री के रूप में कार्य करते रहे। श्री दास महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी थे और उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन रचनात्मक कार्यों में लगा दिया। वह अनेक सामाजिक संगठनों के भी सदस्य रहे। 23 जनवरी 1975 को गोहाटी में उनका निधन हो गया।

श्री कृष्ण पाल सिंह उत्तर प्रदेश के जलेश्वर चुनाव क्षेत्र से 1962-67 के दौरान चौथी लोक-सभा के सदस्य थे। वह बहुत ही विनम्र तथा मृदुभाषी स्वभाव के थे और उन्होंने कृषि विकास तथा स्वायत्तशासी सरकारों के कार्यों में बहुत रुचि ली। 24 जनवरी 1975 को, 75 वर्ष की आयु में उनका मथुरा में देहावसान हो गया।

श्री एम० जे० जमाल मोहूद्दीन 1945-47 के दौरान केन्द्रीय विधान सभा के सदस्य थे। वह 1957-62 के दौरान मद्रास विधान सभा के और 1962-68 के दौरान राज्य सभा के सदस्य थे। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में बहुत रुचि ली। 24 जनवरी 1975 को मद्रास में उनका देहान्त हो गया। वह 71 वर्ष के थे।

हम उन सभी प्रतिष्ठित मित्रों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं और मुझे आशा है कि शोक संतप्त परिवारों को संवेदना संदेश भेजते हुये सम्पूर्ण सदन मेरे साथ है।

शोक व्यक्त करने के लिए अब सदस्यगण कुछ समय के लिए मौन खड़े हो जायें।

तत्पश्चात् सदस्यगण कुछ देर मौन खड़े रहे।

The Members then stood in silence for a short while.

अध्यक्ष महोदय : अब सभा कल 11 बजे अ० प० तक के लिए स्थगित होती है।

तत्पश्चात् लोक सभा मंगलवार, 18 फरवरी, 1975/29 माघ, 1896 (शक) के ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित हुई।

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the clock on Tuesday, February 18, 1975/Magha 29, 1896 (Saka)